विश्व : कोयले की सँचित राशि

देश	सँचित राशि (अरब टन में)	विश्व की कुल संचित राशि का प्रतिशत
संयुक्त राज्य अमेरिका	5,291	34.8
तत्कालीन सोवियत संघ	2,880	18.9
चीन	2,000	13.2
दक्षिण अफ्रीका	1,120	7.4
कनाडा	1,110	7.2
जर्मनी	990	6.5
आस्ट्रेलिया	908	6.0
भारत	263	1.7
ब्राजील	230	1.5
युगोस्लाविया	177	1.2
चेक गणराज्य तथा स्लोवाकिया	129	0.8
मंगोलिया	120	0.8
जापान	84	0.6
विश्व	15,200	100.0

तात्कालीन सोवियत संघ :-

तात्कालीन सोवियत संघ में विश्व का लगभग 19 प्रतिशत सँचित कोयला उपलब्ध है और यहाँ विश्व का 1.5 प्रतिशत से अधिक कोयल पैदा किया जाता है। यहाँ कोयले का उत्पादन 200 भी अधिक क्षेत्रों में होता है। प्रसिद्ध कोयला क्षेत्र है।

Scanned with CamScanner

(1) डोनबास बेसिन :-
यूक्रेन, मास्को तथा डौनेट्स औद्योगिक प्रदेशों क
कोयले की आवश्यकता यहीं से पूरी होती है।
इसे डोनेट्स बेसिन (Donets Basin) भी
कहते हैं। पहले यह क्षेत्र देश का आधा
कोयला पैदा करता था। अब यहाँ से
रूस का एक-तिहाई कोयला प्राप्त किया
जाता है। यहाँ लगभग 15,000 वर्ग किमी
क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ उच्चकोटी का
बिटुमिनस कोयला पाया जाता है।

(2) कुजबास बेसिन (Kuzbas Basin) :-
इसे कुजनेत्स्क बेसिन भी
कहते हैं। यह सोवियत संघ का दूसरा बड़ा
कोयला उत्पादक क्षेत्र है। यहाँ उत्तम जाति
का बिटुमिनस कोयला मिलता है। कोयला
धरातल के पास ही पाया जाता है
जिससे इसका खनन काफी सुगम है।
यहाँ से कोयला यूराल के औद्योगिक
क्षेत्र को भेजा जाता है।

(3) युराल (Ural) कोयला क्षेत्र :-
तत्कालीन सोवियत संघ का
तीसरा बड़ा कोयला उत्पादक क्षेत्र यूराल है।
इस क्षेत्र की खानें यूराल पर्वत की पूर्वी
तथा पश्चिमी ढलानों पर पाई जाती हैं।
किजेल यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण खान है
यहाँ का घटिया कोयला बिटुमिनस तथा
लिगनाइट प्रकार का होता है। इसलिए
इसका उपयोग अधिकतर विद्युत उत्पादन के
लिए होता है।

Scanned with CamScanner

(4) मास्को (Moscow) कोयला क्षेत्र :-

यह क्षेत्र मास्को के आस-पास है। यह क्षेत्र रूस का सबसे बड़ा लिग्नाइट उत्पादक है। यह रूस का 25% लिगनाइट पैदा करता है। यह कोयला विद्युत उत्पादन, गैस-निर्माण तथा रसायन उद्योगों के लिए प्रयोग किया जाता है।

(5) कारगांडा (Karaganda):-

यह क्षेत्र बालकस झील के उत्तर में स्थित है। यहाँ से रूस का 8% कोयला निकाला जाता है। इस क्षेत्र का तीन चौथाई कोयला उच्च जाति का बिटूमिनस कोयला है। इस क्षेत्र का अधिकांश कोयला यूराल औद्योगिक क्षेत्र को भेजा जाता है।

(6) पिचौरा बेसिन (Pechora Basin):-

इस क्षेत्र में उत्पादन सन 1930 में आरंभ हुआ। यह क्षेत्र यूरोपीय रूस के धुर उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है। शीतल जलवायु के कारण यहाँ खनन कार्य कठिन है।

यूरोपीय देश :-

यूरोप का मुख्य कोयला क्षेत्र ब्रिटेन उत्तरी फ्रांस, बेल्जियम, जर्मनी तथा दक्षिणी पोलैण्ड में विस्तृत है। इसके अतिरिक्त स्पेन, चेक गणराज्य तथा स्लोवेकिया में भी कोयले के भंडार मिलते हैं।

ब्रिटेन (Britain):-

यूरोप के कोयले का खनन सबसे पहले ब्रिटेन में ही किया गया था। उन्नीसवी शताब्दी में ब्रिटेन का विश्व के कोयला उत्पादक देशों में प्रथम स्थान था। इसका सबसे अधिक उत्पादन सन 1913 में 28.7 करोड़ टन था। उसके बाद इस देश के कोयला उत्पादन में कमी आने लगी। इससे भी पहले सन 1900 में संयुक्त राज्य अमेरिका कोयला उत्पादन में ब्रिटेन से आगे निकल गया था। उसके बाद रूस, चीन तथा पोलैण्ड भी इससे आगे निकल गया था। इतना कुछ होने के बाद भी कोयला ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग था। ब्रिटेन की कुल ऊर्जा का 65% कोयला से प्राप्त किया जाता है। इसके अतिरिक्त कोयला 4 लाख से भी अधिक व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करता है।

संभवतः ब्रिटेन के भूगोल में किसी अन्य एकल कारक ने वहाँ के आर्थिक जीवन को इतनी समग्रता से प्रभावित नहीं किया जितना कि कोयले ने।

ब्रिटेन की प्रमुख कोयला खानें डरहम, न्यू कासिल नॉर्थ अँबरलैंड, यार्कशायर, नॉटिंघमशायर, डर्बीशायर, लंकाशायर, कंबरलैण्ड, कार्डिफ और स्वानसी में है। इनमें से बहुत सी खानों में उच्च कोटि का बिटुमिनस कोयला मिलता है। इस समय ब्रिटेन विश्व का